चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 07 अक्टूबर 2026, अंक –373.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

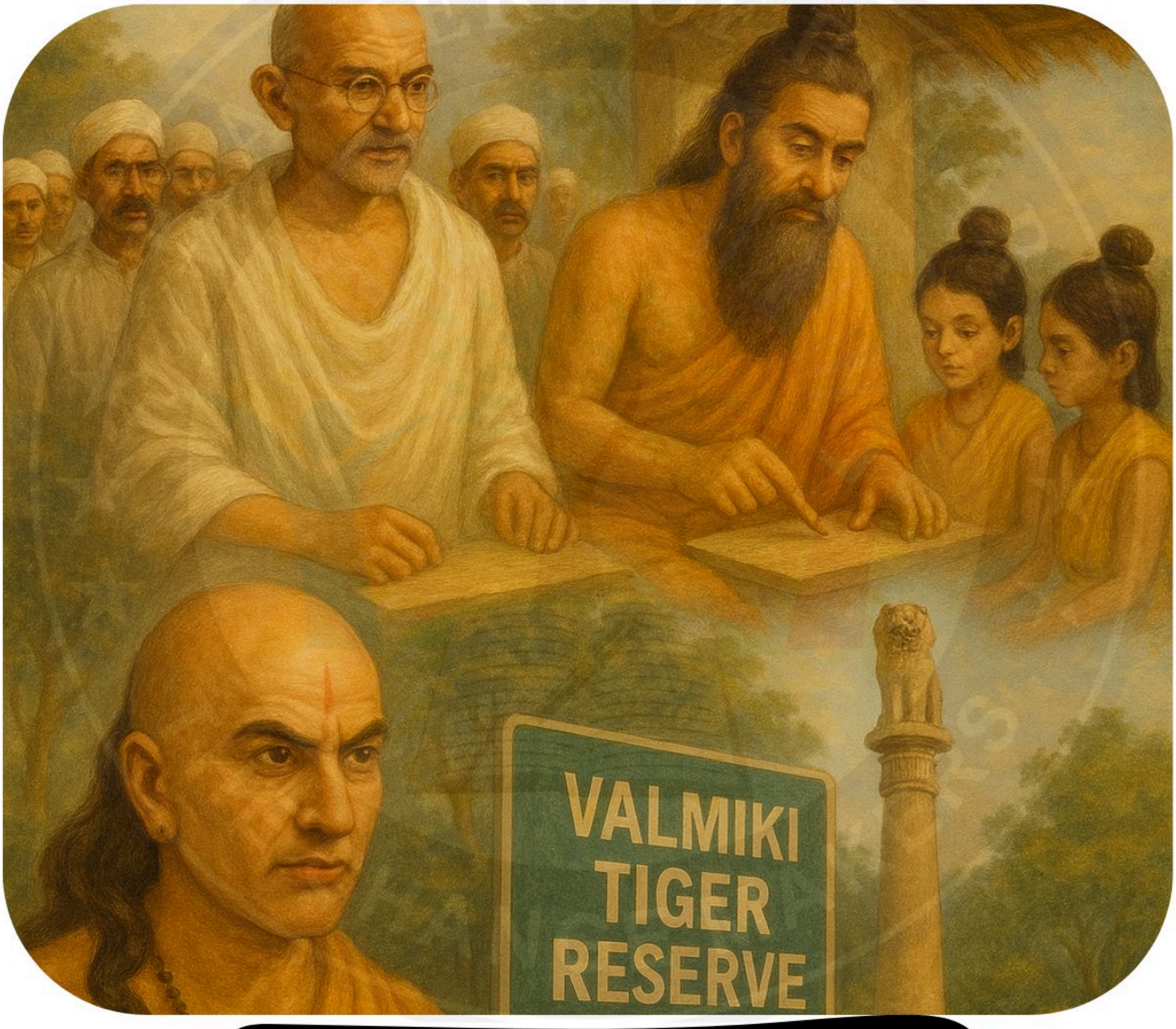

"सत्य के मार्ग पर चलते हुए व्यक्ति दो ही गलतियां कर सकता है; या तो वह पूरा रास्ता तय नहीं करता, या फिर शुरुआत ही नहीं करता।" — बुद्ध

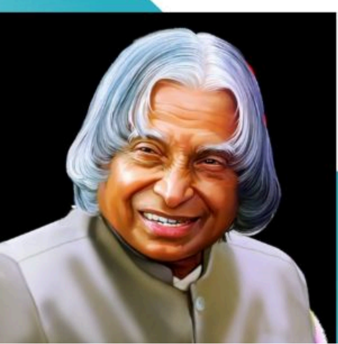

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है...।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है...।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है...।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है...।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मोंटेनेग्रो की राजधानी क्या है?
उत्तर: पोडगोरित्सा
प्रश्न 2. भारत से अंतरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?
उत्तर: राकेश शर्मा
प्रश्न 3. 'भवाई' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनाट्य-नृत्य परंपरा है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. एक वर्ग की भुजा 9 सेमी है। उसका क्षेत्रफल कितना होगा?
उत्तर: 81 वर्ग सेमी
प्रश्न 5. तुतला भवानी जलप्रपात बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: रोहतास
प्रश्न 6. सर्दियों में कई पेड़ों की पत्तियाँ पीली या भूरी होकर गिर जाती हैं। इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
उत्तर: पर्णपात
प्रश्न 7. डायनामो के विकास और विद्युत उत्पादन के सिद्धांत से किस वैज्ञानिक का नाम प्रमुख रूप से जुड़ा है?
उत्तर: माइकल फैराडे
प्रश्न 8. भारत में किसी राज्य का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है?
उत्तर: राज्यपाल
प्रश्न 9. 'जो दूसरों की सहायता करने के लिए सदैव तैयार रहे' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: सेवाभावी
प्रश्न 10. पौधे को गमले में लगाते समय मिट्टी में छोटे-छोटे छेद या खाली स्थान क्यों आवश्यक होते हैं?
उत्तर: वायु-संचार

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Tsunami - सुनामी - समुद्री ज्वारीय लहर
2️⃣ Tornado - टॉरनेडो - बवंडर
3️⃣ Eruption - इरप्शन - उद्गार / विस्फोट
4️⃣ Tremor - ट्रेमर - कंपन / हल्का भूकंप
5️⃣ Aftershock - आफ्टरशॉक - पश्च-कंपन
6️⃣ Wildfire - वाइल्डफायर - जंगल की आग
7️⃣ Disaster - डिज़ास्टर - आपदा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “Why are you going to + V1?”
(तुम/आप ... क्यों करने वाले हो/हैं?)
तुम आज इतनी जल्दी उठने वाले क्यों हो? – Why are you going to get up so early today?
तुम यह किताब खरीदने वाले क्यों हो? – Why are you going to buy this book?
तुम अपने मित्र को बुलाने वाले क्यों हो? – Why are you going to call your friend?
तुम यह रास्ता चुनने वाले क्यों हो? – Why are you going to choose this route?
तुम आज अतिरिक्त अभ्यास करने वाले क्यों हो? – Why are you going to practise extra today?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 7 अक्टूबर को विश्व व्यापार संगठन (WTO) और खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा प्राकृतिक रेशों के महत्व तथा किसानों की आजीविका को सम्मानित करने हेतु कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व कपास दिवस (World Cotton Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 7 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व कपास दिवस' (World Cotton Day) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2019 में विश्व व्यापार संगठन (WTO) द्वारा बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली (कॉटन-4 देशों) की पहल पर की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक, अक्षय और पर्यावरण-अनुकूल रेशे के रूप में कपास के आर्थिक महत्व को रेखांकित करना तथा कपास उत्पादक छोटे किसानों की आजीविका व निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है। भारत विश्व में कपास के सबसे बड़े उत्पादक एवं उपभोक्ता देशों में अग्रणी है, जहाँ 'कस्तूरी कॉटन भारत' पहल के माध्यम से भारतीय कपास को वैश्विक प्रीमियम ब्रांड के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

संदर्भ: World Trade Organization (WTO) Cotton Initiative;

प्र.2. अक्टूबर 2026 में भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा हिंद महासागर में गहरे समुद्र के संसाधनों और दुर्लभ धातुओं के अन्वेषण हेतु किस स्वदेशी मानवयुक्त पनडुब्बी मिशन के उन्नत गहरे परीक्षणों को मंजूरी दी गई? (समसामयिक घटना)

उत्तर: समुद्रयान मिशन (मत्स्य-6000)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में भारत के महत्वाकांक्षी 'डीप ओशन मिशन' (Deep Ocean Mission) के अंतर्गत राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) द्वारा विकसित स्वदेशी मानवयुक्त वैज्ञानिक पनडुब्बी 'मत्स्य-6000' (Matsya-6000) के गहरे समुद्री परीक्षणों को अंतिम रूप दिया गया। यह पनडुब्बी तीन वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर (6 किलोमीटर) की गहराई तक ले जाने में सक्षम है। इसका मुख्य उद्देश्य मध्य हिंद महासागर बेसिन में स्थित पॉलीमैटैलिक नोड्यूल्स (निकल, कोबाल्ट, तांबा और मैंगनीज) तथा गैस हाइड्रेट्स का अन्वेषण करना है, जिससे भारत अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और जापान जैसे चुनिंदा देशों के डीप-सी क्लब में शामिल हो रहा है।

संदर्भ: Ministry of Earth Sciences (MoES) Press Release October 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता-पूर्व भारत में एक आदर्शवादी पुत्र अमरकांत के ग्रामीण संघर्ष, किसानों के लगान-मुक्ति आंदोलन और सकीना के मानवीय संबंधों का विस्तृत चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: कर्मभूमि (1932)

व्याख्या: 'कर्मभूमि' (1932) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली सामाजिक और राजनीतिक उपन्यास है। इसकी कथा तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के ग्रामीण और शहरी जीवन के अंतर्संबंधों पर आधारित है। मुख्य पात्र अमरकांत अपने विलासी जीवन को छोड़कर गाँव जाता है और अछूतोद्धार, किसानों की लगान-बंदी तथा स्वावलंबन के सत्याग्रह का नेतृत्व करता है। उपन्यास में मंदिर-प्रवेश आंदोलन, निर्धन किसानों के भू-अधिकार और महिलाओं के सामाजिक योगदान को प्रमुखता दी गई है। यह उपन्यास गांधीवादी सत्याग्रह और जन-आंदोलन के नैतिक संकल्प का सजीव दस्तावेज है।

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए समय में किसी जीव द्वारा प्रति इकाई समय में भोजन के पाचन व अवशोषण के उपरांत नए ऊतक (बायोमास) बनाने की वास्तविक दर को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: द्वितीयक उत्पादकता (Secondary Productivity)

व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र में उत्पादकों (हरे पौधों) द्वारा सौर ऊर्जा से संश्लेषित कुल जैव-भार को प्राथमिक उत्पादकता कहा जाता है। इसके विपरीत, उपभोक्ताओं (शाकाहारी एवं मांसाहारी जंतुओं) द्वारा अपने पोषण स्तर पर नए कार्बनिक पदार्थ (बायोमास) के निर्माण की दर को 'द्वितीयक उत्पादकता' (Secondary Productivity) कहते हैं। जब शाकाहारी जीव पौधों का उपभोग करते हैं, तो वे ऊर्जा का एक बड़ा भाग श्वसन, ताप नियमन और अपशिष्ट उत्सर्जन में व्यय कर देते हैं; केवल शेष बचा भाग ही उनके शारीरिक ऊतकों के निर्माण में प्रयुक्त होता है, जो आगे मांसाहारी जीवों के लिए ऊर्जा का स्रोत बनता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 260–263;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मंदसौर (मध्य प्रदेश) में मुगल राजवंश के किस राजकुमार ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित किया था? (इतिहास)

उत्तर: शहजादा फिरोज शाह

व्याख्या: शहजादा फिरोज शाह (1832–1877) 1857 के महान राष्ट्रीय विद्रोह के एक अत्यंत साहसी, जुझारू और सैन्य रूप से कुशल नेता थे। वे अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के भतीजे थे। मक्का की तीर्थयात्रा से लौटकर उन्होंने मध्य प्रदेश के मंदसौर को अपना केंद्र बनाया और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित कर अफगान और मेवाती सैनिकों की एक विशाल विद्रोही सेना तैयार की। उन्होंने मध्य भारत, राजस्थान और बुंदेलखंड में ब्रिटिश सेनाओं को कई भीषण युद्धों में टक्कर दी। दिल्ली और लखनऊ के पतन के बाद भी उन्होंने तात्या टोपे और राव तुला राम के साथ मिलकर लंबे समय तक अंग्रेजों के खिलाफ छापामार युद्ध जारी रखा।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात से लेकर कन्याकुमारी तक विस्तृत पश्चिमी घाट (सह्याद्रि) का सर्वोच्च शिखर कौन-सा है, जो केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पहाड़ियों पर स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: अनाईमुडी (Anaimudi - 2,695 मीटर)
व्याख्या: अनाईमुडी (शाब्दिक अर्थ: हाथी का माथा) दक्षिण भारत और प्रायद्वीपीय भारत का सर्वोच्च पर्वत शिखर है, जिसकी समुद्र तल से कुल ऊंचाई 2,695 मीटर (8,842 फीट) है। यह शिखर केरल के इडुक्की जिले में अन्नामलाई पर्वत श्रेणी के भीतर 'इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान' में स्थित है। यह तीन पहाड़ी श्रृंखलाओं — उत्तर में अन्नामलाई, दक्षिण में कार्डमम (इलायची) पहाड़ियाँ और उत्तर-पूर्व में पलनी पहाड़ियों — का मुख्य ग्रंथि बिंदु है। यह क्षेत्र संकटग्रस्त 'नीलगिरी तहर' और 'कुरिंजी' (नीलाकुरिंजी) के दुर्लभ पुष्पों के पर्यावास के लिए विश्वविख्यात है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12–14;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि, राष्ट्रों के मध्य न्यायसंगत संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय संधियों के सम्मान का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 51 (राज्य के नीति निदेशक तत्व)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में सन्निहित राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 51' भारत की विदेश नीति का संवैधानिक और नैतिक आधारस्तंभ है। यह स्पष्ट घोषित करता है कि राज्य: (क) अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का, (ख) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का, (ग) अंतरराष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का, तथा (घ) अंतरराष्ट्रीय विवादों के मध्यस्थता द्वारा निपटारे को प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगा। इसी अनुच्छेद से भारत के 'पंचशील सिद्धांत' और 'गुटनिरपेक्षता' की नीति को संवैधानिक दिशा प्राप्त हुई।
संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 51; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43–46;

प्र.8. किसी माध्यम में प्रकाश की चाल 2.25 × 10^8 मीटर/सेकंड है; यदि निर्वात में प्रकाश की चाल 3 × 10^8 मीटर/सेकंड हो, तो उस माध्यम (जल) का निरपेक्ष अपवर्तनांक कितना होगा? (विज्ञान)
उत्तर: 1.33 (4/3)
व्याख्या: किसी पारदर्शी माध्यम का निरपेक्ष अपवर्तनांक (n) निर्वात में प्रकाश की चाल (c) और उस माध्यम में प्रकाश की चाल (v) का अनुपात होता है।
सूत्र: n = c / v, यहाँ दिया गया है:, निर्वात में प्रकाश की चाल (c) = 3 × 10^8 m/s, माध्यम (जल) में प्रकाश की चाल (v) = 2.25 × 10^8 m/s, मान प्रतिस्थापित करने पर:, n = (3 × 10^8) / (2.25 × 10^8), n = 3 / 2.25 = 300 / 225 = 4 / 3 ≈ 1.33।, चूँकि अपवर्तनांक दो समान भौतिक राशियों (चाल) का अनुपात है, अतः यह मात्रक-हीन (Unitless) होता है। 1.33 जल का मानक अपवर्तनांक है, जो यह दर्शाता है कि जल में प्रकाश की चाल निर्वात की तुलना में 1.33 गुना धीमी हो जाती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 187–190;

प्र.9. 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंग वंश के प्रतापी सम्राट नरसिंहदेव प्रथम द्वारा ओडिशा के पुरी जिले में चंद्रभागा नदी के तट पर कलिंग शैली में निर्मित 'ब्लैक पैगोडा' के नाम से विख्यात सूर्य मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कोणार्क का सूर्य मंदिर (Konark Sun Temple)
व्याख्या: कोणार्क का सूर्य मंदिर ओडिशा के पुरी जिले में स्थित कलिंग स्थापत्य कला का एक अप्रतिम और विश्वविख्यात शिखर है। इसका निर्माण 13वीं शताब्दी (लगभग 1250 ईस्वी) में पूर्वी गंग राजवंश के महान शासक नरसिंहदेव प्रथम ने करवाया था। यह संपूर्ण मंदिर 24 विशाल नक्काशीदार पहियों और 7 भव्य अश्वों द्वारा खींचे जाते हुए भगवान सूर्य के एक विशाल रथ के रूप में गढ़ा गया है। इसके पहियों की तीलियाँ धूपघड़ी (Sundial) का कार्य करती हैं, जो छाया देखकर सटीक समय बताती हैं। यूरोपीय नाविक इसके गहरे रंग और जहाजों को आकर्षित करने वाले चुंबकीय शिखर के कारण इसे 'ब्लैक पैगोडा' कहते थे। वर्ष 1984 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 74–77;

प्र.10. 1919 में स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व में बिहार के दरभंगा, मधुबनी और पूर्णिया क्षेत्रों में दरभंगा राज के विरुद्ध संगठित हुआ शक्तिशाली आंदोलन कौन-सा था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: किसान आंदोलन (दरभंगा राज विरोध)
व्याख्या: 1919-20 में बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र (दरभंगा, मधुबनी, सहरसा और पूर्णिया) में दरभंगा राज के महाराजा की शोषणकारी नीतियों, अत्यधिक लगान, वनों से लकड़ी चुनने पर रोक और चराई कर के विरुद्ध एक व्यापक कृषक आंदोलन भड़का। इस आंदोलन का नेतृत्व स्वामी विद्यानंद (वास्तविक नाम: विभूषण प्रसाद) ने किया। उन्होंने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से प्रेरणा लेकर रैयतों और छोटे किसानों को एकजुट किया। स्वामी विद्यानंद ने किसानों के अधिकारों के लिए 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' के गठन से भी पहले किसान रैलियां आयोजित कीं और ब्रिटिश सरकार तथा दरभंगा राज को किसानों के शोषण की जांच हेतु विवश किया।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Peasant Movements;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W1 — नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि बाढ़ या सामान्य दिनों में कोई यात्री नाव असंतुलित होकर पलटने लगे, तो यात्रियों को भगदड़ मचाने के बजाय कौन-से दो तात्कालिक कदम उठाने चाहिए और डूबने से बचने हेतु पानी में तैरने (Floating) का कौन-सा सरल देसी साधन तुरंत बनाया जा सकता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: नाव के दोनों किनारों को पकड़कर शांत बैठना; 2-3 खाली एयर-टाइट प्लास्टिक बोतलों/गैलन से फ्लोट बनाना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W1: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार, नाव यात्रा के दौरान आपातकालीन संतुलन व जीवन-रक्षा हेतु मानक सावधानियां अनिवार्य हैं: (1) यदि नाव में पानी भरने लगे या वह डगमगाने लगे, तो कभी भी खड़े न हों और न ही एक तरफ भागें; सभी यात्री तुरंत नाव के पेंदे में नीचे बैठ जाएं और दोनों हाथों से नाव के किनारों (Gunwales) को मजबूती से पकड़कर संतुलन बनाए रखें; (2) यदि नाव पलट जाए, तो उल्टी हुई नाव की सतह या लकड़ी के पतवार को पकड़े रहें क्योंकि लकड़ी पानी में स्वतः तैरती है; (3) तात्कालिक देसी जीवन-रक्षक साधन (Improvised Flotation Device) — 2 से 3 खाली व ढक्कन बंद प्लास्टिक की बड़ी बोतलों या 5-10 लीटर के खाली एयर-टाइट गैलन को गमछे या रस्सी से बांधकर छाती के नीचे दबा लेने से व्यक्ति बिना तैराकी सीखे भी घंटों पानी की सतह पर तैरता रह सकता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W1 — "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी",

प्र.12. एक समबाहु त्रिभुज (Equilateral Triangle) की प्रत्येक भुजा की लंबाई 8 सेमी है। बताइए उस समबाहु त्रिभुज का क्षेत्रफल कितने वर्ग सेंटीमीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: $16\sqrt{3}$ वर्ग सेमी (लगभग 27.71 वर्ग सेमी)

व्याख्या: यह समबाहु त्रिभुज के क्षेत्रफल के ज्यामितीय सूत्र पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है।
समबाहु त्रिभुज के क्षेत्रफल का सूत्र: क्षेत्रफल = $(\sqrt{3} / 4) * a^2$ (जहाँ a = भुजा की लंबाई)।
यहाँ भुजा (a) = 8 सेमी दिया गया है।, मान प्रतिस्थापित करने पर:, क्षेत्रफल = $(\sqrt{3} / 4) * (8)^2$, क्षेत्रफल = $(\sqrt{3} / 4) * 64$
64 को 4 से विभाजित करने पर: 64 / 4 = 16
क्षेत्रफल = $16\sqrt{3}$ वर्ग सेमी।, यदि $\sqrt{3} = 1.732$ मान रखें:, क्षेत्रफल = 16 * 1.732 = 27.712 वर्ग सेमी।
अतः उस समबाहु त्रिभुज का अभीष्ट क्षेत्रफल $16\sqrt{3}$ वर्ग सेमी होगा।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 9, Ch 12 "हीरोन का सूत्र" (Heron's Formula), p. 200–205;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

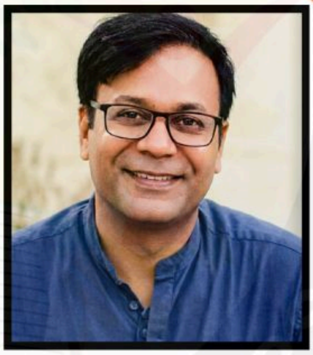

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Cogent (कोजेन्ट) = Convincing (कन्विन्सिंग) = प्रभावशाली / तर्कसंगत / ठोस
   Antonym – Unconvincing (अनकन्विन्सिंग) = अविश्वसनीय / प्रभावहीन
2. Devious (डीवियस) = Cunning (कनिंग) = कपटी / चालाक / टेढ़े-मेढ़े तरीके वाला
   Antonym – Straightforward (स्ट्रेटफॉरवर्ड) = सीधा-सादा / स्पष्ट
3. Exemplary (इग्ज़ेम्प्लरी) = Model (मॉडल) = अनुकरणीय / आदर्श
   Antonym – Inferior (इन्फीरियर) = घटिया / निम्न स्तर का
4. Harbinger (हार्बिन्जर) = Forerunner (फोररनर) = अग्रदूत / पूर्वसूचक
   Antonym – Follower (फॉलोअर) = अनुयायी / पीछे आने वाला
5. Incipient (इन्सिपिएन्ट) = Beginning (बिगिनिंग) = प्रारंभिक / आरंभिक अवस्था में
   Antonym – Mature (मैच्योर) = परिपक्व / विकसित

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India-Switzerland sign 5 pacts; expand cooperation in defence production, civil nuclear energy, mobility and technology
हिन्दी अनुवाद: भारत-स्विट्ज़रलैंड ने 5 समझौते किए; रक्षा उत्पादन, नागरिक परमाणु ऊर्जा, गतिशीलता और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाया।�
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विस राष्ट्रपति गाय पार्मेलेन ने नई दिल्ली में पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें प्रवासन और गतिशीलता, युवा पेशेवर, परिवहन, अनुसंधान, और नवाचार व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल हैं। दोनों देशों ने रक्षा उत्पादन, सैन्य आदान-प्रदान और नागरिक परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। UPSC/BPSC के लिए: India-Switzerland relations — भारत-स्विट्ज़रलैंड संबंध; Defence cooperation — रक्षा सहयोग; Civil nuclear energy — नागरिक परमाणु ऊर्जा।

MoHUA celebrates World Habitat Day 2026 with theme 'Adequate Housing for All'; felicitates PMAY-U best performers
हिन्दी अनुवाद: आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने 'सभी के लिए पर्याप्त आवास' थीम के साथ विश्व आवास दिवस 2026 मनाया; PMAY-U के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं को सम्मानित किया।
आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) ने 6 अक्टूबर को विश्व आवास दिवस 2026 मनाया जिसकी थीम 'Adequate Housing for All' (सभी के लिए पर्याप्त आवास) थी। कार्यक्रम में नवाचार, नीति सुधार, प्रौद्योगिकी और सतत वित्तपोषण के माध्यम से शहरी आवास पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U) और PMAY-U 2.0 के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सम्मानित किया गया। UPSC/BPSC के लिए: World Habitat Day — विश्व आवास दिवस (अक्टूबर का पहला सोमवार); PMAY-U — प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी; MoHUA — आवास और शहरी कार्य मंत्रालय।

Asian Games 2026: India finishes with historic 85 medals (21 gold, 27 silver, 37 bronze); best-ever performance, 4th in medal tally
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत ने ऐतिहासिक 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ समापन किया; सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, पदक तालिका में चौथे स्थान पर।
भारत ने नागोया, जापान में एशियाई खेल 2026 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ चौथे स्थान पर रहा। पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने क्रमशः स्वर्ण और रजत जीता, जबकि दोनों क्रिकेट टीमों (पुरुष और महिला) ने स्वर्ण पदक जीते। कुश्ती में 6 पदक (2 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य), मुक्केबाजी में 6 पदक (3 स्वर्ण, 3 कांस्य), और शूटिंग में 15 पदक (3 स्वर्ण, 8 रजत, 4 कांस्य) जीते। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; OCA — एशियाई ओलंपिक परिषद; Medal tally — पदक तालिका।

INTERNATIONAL NEWS

UN Secretary-General Guterres arrives in Islamabad for 3-day visit; to discuss Iran-US mediation efforts with Pakistan leadership
हिन्दी अनुवाद: UN महासचिव गुटेरेस इस्लामाबाद में 3-दिन की यात्रा पर पहुंचे; पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ ईरान-US मध्यस्थता प्रयासों पर चर्चा करेंगे।
संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस पाकिस्तान के तीन दिवसीय दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे हैं। उनकी पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ बातचीत में ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता के प्रयास शामिल होने की उम्मीद है। पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच वार्ता में मध्यस्थता की पेशकश की है। UPSC/BPSC के लिए: UNSG — संयुक्त राष्ट्र महासचिव; Pakistan mediation — पाकिस्तान मध्यस्थता; Iran-US talks — ईरान-अमेरिका वार्ता।

Iran says Strait of Hormuz will remain closed until seven conditions met; no US vessels in Gulf, claims IRGC
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य तब तक बंद रहेगा जब तक सात शर्तें पूरी नहीं होतीं; IRGC का दावा — खाड़ी में कोई US पोत नहीं।�
ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाग़ेर ग़ालिबाफ़ ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य तब तक "बंद" रहेगा जब तक US जून के 14-बिंदु समझौता ज्ञापन (MoU) पर आधारित सात शर्तों को पूरा नहीं करता। IRGC के रियर एडमिरल अली फदावी ने दावा किया कि पहली बार संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी, होर्मुज़ जलडमरूमध्य, ओमान सागर या उत्तरी हिंद महासागर में कोई US पोत नहीं है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; IRGC — इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स; MoU — समझौता ज्ञापन।

Houthis claim ballistic missile attack on Aramco oil refinery in Riyadh; US deploys additional Patriot systems to Saudi Arabia, Qatar
हिन्दी अनुवाद: हूतियों ने रियाद में अरामको तेल रिफाइनरी पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया; US ने सऊदी अरब, कतर में अतिरिक्त पैट्रियट सिस्टम तैनात किए।�
यमन के हूति विद्रोहियों ने सऊदी अरब के रियाद में अरामको तेल रिफाइनरी पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। अमेरिका ने संभावित ईरानी हमलों से प्रमुख ऊर्जा सुविधाओं की रक्षा के लिए सऊदी अरब और कतर में अतिरिक्त पैट्रियट एयर-डिफेंस सिस्टम तैनात किए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels — हूति विद्रोही; Patriot systems — पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली; Aramco — अरामको (सऊदी अरब की राष्ट्रीय तेल कंपनी)।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Gandak receding, water levels drop 177 cm at Rewa Ghat; 7 engineers suspended over flood response lapses
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: गंडक घट रही है, रेवा घाट पर जलस्तर 177 सेमी गिरा; बाढ़ प्रतिक्रिया में चूक पर 7 इंजीनियर निलंबित।
बिहार में गंडक नदी का जलस्तर घटने लगा है। सारण के रेवाघाट पर गंडक का जलस्तर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 177 सेमी घट गया है और अब खतरे के निशान से 50 सेमी नीचे है। वैशाली के लालगंज पर स्तर 130 सेमी घटा है लेकिन अभी भी खतरे के निशान से 52 सेमी ऊपर है। राज्य सरकार ने बाढ़ प्रतिक्रिया में चूक के आरोप में सात इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; Flood management — बाढ़ प्रबंधन।

Bihar floods: 2.03 lakh affected in 6 districts; 6 embankments breached, Ganga flowing above danger mark in Patna
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 6 जिलों में 2.03 लाख प्रभावित; 6 बांध टूटे, पटना में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही।
नेपाल में भारी बारिश के बाद बिहार के 6 जिलों में लगभग 2.03 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। सारण, गोपालगंज और पश्चिम चंपारण सहित 6 स्थानों पर बांध टूट गए हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और गांधी घाट पर जलस्तर 49.67 मीटर (1.07 मीटर खतरे के निशान से ऊपर) दर्ज किया गया। IAF हेलीकॉप्टरों का उपयोग राहत सामग्री की एयरड्रॉप के लिए किया जा रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Embankment breach — बांध टूटना; Flood relief — बाढ़ राहत; IAF — भारतीय वायु सेना।

SPORTS NEWS

Boxing: India wins 3 gold medals through Lovlina Borgohain (75kg), Parveen Hooda (65kg), Ankush Panghal (80kg)
हिन्दी अनुवाद: मुक्केबाजी: भारत ने लवलीना बोरगोहिन (75 किग्रा), परवीन हुडा (65 किग्रा), अंकुश पंघल (80 किग्रा) के माध्यम से 3 स्वर्ण पदक जीते।
भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। लवलीना बोरगोहिन ने महिलाओं की 75 किग्रा, परवीन हुडा ने महिलाओं की 65 किग्रा, और अंकुश पंघल ने पुरुषों की 80 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। भारत ने कुल 6 मुक्केबाजी पदक (3 स्वर्ण, 3 कांस्य) जीते। UPSC/BPSC के लिए: Boxing — मुक्केबाजी; AIBA — अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ; Asian Games — एशियाई खेल।

Wrestling: Sujeet Kalkal wins gold in Men's 65kg Freestyle; Aman Sehrawat wins gold in Men's 57kg
हिन्दी अनुवाद: कुश्ती: सुजीत कलकल ने पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में स्वर्ण जीता; अमन सेहरावत ने पुरुषों की 57 किग्रा में स्वर्ण जीता।
सुजीत कलकल ने पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल में उज्बेकिस्तान के कुदिएव को हराकर स्वर्ण पदक जीता। अमन सेहरावत ने पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में उत्तर कोरिया के हान कांग सॉन्ग को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह पहली बार है जब कोई भारतीय पहलवान एशियाई खेलों में पुरुषों की 57 किग्रा वर्ग में चैंपियन बना। UPSC/BPSC के लिए: Wrestling — कुश्ती; UWW — संयुक्त विश्व कुश्ती; Asian Games — एशियाई खेल।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

आज का विचार:

इंद्रियों और मन के तात्कालिक आवेगों के गुलाम मत बनिए। अपनी बुद्धि को सजग रखिए और पहचानिए कि आप अपने विचारों और भावनाओं से कहीं परे, उनके वास्तविक स्वामी हैं।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

नम्रता की प्रतियोगिता

एक बार अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन अपने एक मित्र के साथ घोड़ा-गाड़ी से कहीं जा रहे थे। रास्ते में एक मजदूर ने उन्हें देखा। उसने सम्मानपूर्वक झुककर राष्ट्रपति को प्रणाम किया।

लिंकन ने मजदूर को प्रणाम करते हुए स्वयं उससे भी अधिक झुककर अभिवादन किया। यह देखकर उनके मित्र को आश्चर्य हुआ। उन्हें लगा कि देश के राष्ट्रपति होकर लिंकन ने एक साधारण मजदूर के सामने इतना झुकना उचित नहीं समझा होगा।
मित्र ने जिज्ञासावश पूछा, "आपने उस मजदूर को इतना झुककर प्रणाम क्यों किया?"
लिंकन मुस्कुराए और बोले, "मैं नहीं चाहता कि नम्रता में कोई मुझसे आगे निकल जाए।"
लिंकन का यह उत्तर सुनकर मित्र कुछ क्षण के लिए शांत हो गए। उन्हें समझ में आया कि सच्ची महानता पद, प्रतिष्ठा या अधिकार में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखाई देती है।

जिस व्यक्ति के पास बड़ा पद होता है, उसके सामने लोग सम्मान से झुकते हैं; लेकिन जो व्यक्ति स्वयं दूसरों का सम्मान करना जानता है, वही वास्तव में बड़ा कहलाता है। नम्रता मनुष्य को छोटा नहीं करती, बल्कि उसके व्यक्तित्व को और ऊँचा बनाती है।

प्रेरक सीख:
सम्मान पाने की इच्छा रखने से पहले दूसरों को सम्मान देना सीखिए। पद और धन से मिली ऊँचाई अस्थायी हो सकती है, लेकिन नम्र व्यवहार से मिली प्रतिष्ठा लंबे समय तक लोगों के हृदय में बनी रहती है।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-13

सोचो... समझो... हल करो...

	1	5						3
7				6	2			
		2						
	7	6				9		5
			4	7			1	2
					8			
	2	9	8			4		6
	5				3		9	
6					9			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सफलता पाने के लिए सबसे बड़ी शर्त यह है कि आप कभी हार न मानें।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	1	5	7	8	4	6	2	3
7	8	4	3	6	2	1	5	9
3	6	2	9	1	5	8	4	7
4	7	6	2	3	1	9	8	5
5	9	8	4	7	6	3	1	2
2	3	1	5	9	8	7	6	4
1	2	9	8	5	7	4	3	6
8	5	7	6	4	3	2	9	1
6	4	3	1	2	9	5	7	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 3, श्लोक 42
इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः।
मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः॥

सरल हिन्दी अर्थ:

स्थूल शरीर से श्रेष्ठ और सूक्ष्म इंद्रियाँ कही जाती हैं; इंद्रियों से श्रेष्ठ मन है; मन से भी श्रेष्ठ बुद्धि है; और जो बुद्धि से भी अत्यंत परे (सूक्ष्म और श्रेष्ठ) है, वह जीवात्मा (स्वयं आप) है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

पिछले श्लोक में काम और क्रोध को सबसे बड़ा शत्रु बताया गया था। यहाँ श्रीकृष्ण उस शत्रु को नियंत्रित करने की पूरी मानसिक पदानुक्रम (Hierarchy of Control) समझाते हैं।

a. **नियंत्रण की आंतरिक सीढ़ी:शरीर (Body): सबसे बाहरी आवरण, जो केवल क्रिया करता है।**
b. **इंद्रियाँ (Senses): आँख, कान, जीभ आदि, जो बाहर से आकर्षण और सूचनाएँ ग्रहण करती हैं।**
c. **मन (Mind): भावनाओं, इच्छाओं और 'अच्छा-बुरा लगने' का केंद्र।**
d. **बुद्धि (Intellect): विवेक, तर्क और सही-गलत का निर्णय लेने वाली शक्ति।**
e. **आत्मा (True Self / Consciousness): इन सबका स्वामी और दृष्टा।**

जब तक मन और इंद्रियाँ निरंकुश होकर गाड़ी चलाती हैं, जीवन में भटकाव रहता है। लेकिन जब बुद्धि सजग होकर मन को दिशा देती है और आप स्वयं उस बुद्धि के साक्षी बनते हैं, तो इंद्रियों का भटकाव अपने आप शांत हो जाता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण ... संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, ... संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

"सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

वीरांगना: कित्तूर की रानी चेन्नम्मा

प्यारे बच्चों, आपने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की बहादुरी की गाथा तो बड़े चाव से सुनी है। पर क्या आप जानते हैं कि सन 1857 के संग्राम से भी तैंतीस साल पहले, दक्षिण भारत के कर्नाटक में एक ऐसी शेरदिल रानी हुई थीं, जिन्होंने सबसे पहले अंग्रेज़ों की ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ तलवार उठाई थी? वे थीं कित्तूर की अमर रानी चेन्नम्मा! रानी चेन्नम्मा का जन्म 23 अक्टूबर 1778 को कर्नाटक के बेलगाम (बेलगावी) ज़िले के एक छोटे से सुंदर गाँव 'काकती' में हुआ था। उनके पिता का नाम धूलप्पा देसाई और माता का नाम पद्मावती था। उनके पिता काकती के एक प्रतिष्ठित देसाई (मुखिया) थे, जो बड़े स्वाभिमानी और वीर स्वभाव के थे।

नन्हीं चेन्नम्मा बचपन से ही साधारण बालिकाओं से बिल्कुल अलग थीं। जहाँ दूसरी लड़कियाँ घर-गृहस्थी के खेल खेलती थीं, वहीं चेन्नम्मा को घुड़सवारी करने, तीरंदाज़ी सीखने और तलवारबाज़ी का अभ्यास करने में बहुत मज़ा आता था। वे इतनी निडर थीं कि घने जंगलों में शिकार खेलने जाती थीं। उनकी अचूक निशानेबाज़ी और निडरता की चर्चा पूरे इलाके में फैली हुई थी। पंद्रह वर्ष की उम्र में उनका विवाह कित्तूर रियासत के राजा मल्लसर्ज के साथ हुआ। विवाह के बाद वे कित्तूर की रानी बनीं। रानी चेन्नम्मा ने न केवल अपने महल को संभाला, बल्कि राजकाज में भी राजा की सबसे बड़ी सलाहकार बनीं। वे अपनी प्रजा से बहुत प्यार करती थीं और हर दुख-सुख में किसानों व गरीबों के साथ खड़ी रहती थीं।

कुछ वर्षों बाद राजा मल्लसर्ज का देहांत हो गया और उनके बाद उनके पुत्र की भी मृत्यु हो गई। कित्तूर का राजमहल गहराते संकट में घिर गया। रानी चेन्नम्मा ने अपनी रियासत की रक्षा के लिए एक बालक 'शिवलिंगप्पा' को अपना दत्तक पुत्र बनाया। उस समय धारवाड़ के अंग्रेज़ कलेक्टर जॉन थैकरे ने कपट नीति अपनाते हुए कहा कि रानी का दत्तक पुत्र राजा नहीं बन सकता और कित्तूर को अंग्रेज़ी राज में मिलाया जाएगा। अंग्रेज़ों ने कित्तूर के राजकोष पर अपना पहरा बिठा दिया। इस अपमान पर वीरांगना चेन्नम्मा की आँखें क्रोध से लाल हो गईं। उन्होंने सीना तानकर थैकरे को चेतावनी दी कि कित्तूर कभी अंग्रेज़ों का गुलाम नहीं बनेगा।

अक्टूबर 1824 में अंग्रेज़ों ने भारी सेना और तोपों के साथ कित्तूर के किले पर हमला बोल दिया। रानी चेन्नम्मा ने युद्ध की पोशाक पहनी, हाथ में नंगी तलवार ली और अपने वफादार सेनापति संगोली रायन्ना के साथ मिलकर अंग्रेज़ सेना पर टूट पड़ीं। इस भीषण युद्ध में रानी की सेना ने अंग्रेज़ कलेक्टर थैकरे को मार गिराया और बाक़ी अंग्रेज़ अफसरों को बंदी बना लिया। यह अंग्रेज़ी हुकूमत के मुँह पर एक ज़ोरदार तमाचा था। बाद में अंग्रेज़ों ने विशाल सेना भेजी। कुछ गद्दारों ने बारूद में गोबर और मिट्टी मिलाकर धोखा दे दिया, जिससे रानी युद्ध में घिर गईं और उन्हें बंदी बनाकर बैलहोंगल के किले में कैद कर दिया गया।

कैद में भी इस स्वाभिमानी रानी ने कभी अंग्रेज़ों के आगे सिर नहीं झुकाया। 21 फरवरी 1829 को इस महान वीरांगना ने अमरता प्राप्त की। प्यारे बच्चों, रानी चेन्नम्मा का जीवन हमें सिखाता है कि संकट कितना भी बड़ा हो, अपने आत्मसम्मान और मातृभूमि की रक्षा के लिए बिना डरे सीना तानकर डटे रहो।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:

इंद्रियों और मन के तात्कालिक आवेगों के गुलाम मत बनिए। अपनी बुद्धि को सजग रखिए और पहचानिए कि आप अपने विचारों और भावनाओं से कहीं परे, उनके वास्तविक स्वामी हैं।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org